बेलियाल क्या है? (2 कुरिन्थियों 6:15)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

उत्तर: आइए देखें…

2 कुरिन्थियों 6:15 (ERV-HI)

“मसीह का बेलियाल से क्या मेल है? या किसी विश्वासी का किसी अविश्वासी से क्या लेना देना है?”

शब्द “बेलियाल” दो इब्रानी शब्दों से मिलकर बना है — “बेली- याल” (Beliy-ya‘al) — जिसका अर्थ है “निष्फल,” “निरर्थक,” या “जिसमें कोई भलाई नहीं।” इसका अर्थ दुष्ट या अधर्मी व्यक्ति भी होता है।

इसलिए, 2 कुरिन्थियों 6:15 को सरल हिंदी में इस प्रकार समझा जा सकता है:

“मसीह का किसी ऐसे व्यक्ति से क्या संबंध हो सकता है जो
अधर्मी और निरर्थक है?”

बाइबल में “निरर्थक” व्यक्ति वह है जो परमेश्वर का भय नहीं

बेलियाल क्या है? (2 कुरिन्थियों 6:15)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

मानता, जो अधर्मी है और शैतान की आत्मा से प्रेरित है। संक्षेप में, बेलियाल या दुष्ट व्यक्ति वह है जो परमेश्वर का विरोध करता है।
ऐसे लोगों का एक उदाहरण 2 इतिहास 13:7 में मिलता है:

2 इतिहास 13:7 (ERV-HI)

“उसके चारों ओर कुछ निकम्मे और दुष्ट लोग इकट्ठे हो गए और सुलैमान के पुत्र रहूबियाम के विरुद्ध खड़े हो गए। उस समय रहूबियाम जवान और अनुभवहीन था, इसलिए वह उनका सामना नहीं कर सका।”

न्यायियों 19:22 (ERV-HI) में भी ऐसे ही लोगों का वर्णन मिलता है:

न्यायियों 19:22 (ERV-HI)

“जब वे अपने मन को प्रसन्न कर रहे थे, तभी नगर के कुछ दुष्ट लोग घर को घेरकर दरवाज़े पर दस्तक देने लगे और उस बूढ़े व्यक्ति से कहने लगे, ‘उस व्यक्ति को बाहर निकालो जो तेरे घर

बेलियाल क्या है? (2 कुरिन्थियों 6:15)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

में आया है ताकि हम उसके साथ संबंध बना सकें।’”

ऐसे लोगों के बारे में आप व्यवस्थाविवरण 13:13, न्यायियों 11:3, न्यायियों 20:13, 2 शमूएल 6:20, और अय्यूब 11:11 में भी पढ़ सकते हैं।

जैसा कि पवित्रशास्त्र कहता है, मसीह और बेलियाल के बीच कोई संगति या मेल नहीं हो सकता।
इसका अर्थ यह है कि मसीह को किसी अशुद्धता के साथ नहीं मिलाया जा सकता, और वह दुष्ट या अधर्मी लोगों के साथ नहीं चल सकता। इसलिए हमें अपने शरीर और आत्मा की सारी अशुद्धियों से अपने आप को शुद्ध करना चाहिए, ताकि हम मसीह के साथ पवित्रता में चल सकें।

2 कुरिन्थियों 7:1 (ERV-HI)

“प्रिय मित्रो, क्योंकि हमारे पास ये प्रतिज्ञाएँ हैं,
इसलिए हमें अपने शरीर और आत्मा की हर प्रकार की अशुद्धता से अपने आप को शुद्ध करना चाहिए, और परमेश्वर का भय मानते हुए पूर्ण पवित्रता तक पहुँचना चाहिए।”

बेलियाल क्या है? (2 कुरिन्थियों 6:15)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

प्रभु हमारी सहायता करे।

इस शुभ संदेश को दूसरों के साथ भी बाँटें।

यदि आप यीशु को अपने जीवन में ग्रहण करने में सहायता चाहते हैं — पूरी तरह निःशुल्क — तो कृपया नीचे दिए गए संपर्क नंबर पर हमसे संपर्क करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp